# तलघर में पानी के कारण कमजोर हो गई थी तीन मंजिला बिल्डिंग की नींव

- इमारत ढहने से हो गई थी दो की मौत,
- सुबह तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन
- कई जिंदगियां बाल-बाल बचीं

नव भारत न्यूज

**इंदौर. सोमवार रात रानीपुरा कोष्टी मोहल्ला त्रासदी में तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर ढह गया. हादसे में 40 वर्षीय मुस्तकिम उर्फ बबलू और 18 वर्षीय अलीफा की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए. रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन सुबह तक जारी रहा. देर रात 3 बजे तक राहत दल ने लगातार मशक्कत कर मलबे से शव निकाले. अफवाहें रहीं कि कई लोग और दबे हो सकते हैं, लेकिन शुक्र है कि और किसी की जान नहीं गई.**

सोमवार रात गिरे तीन मंजिला मकान के मलबे से लोगों को निकालने में प्रशासन की टीम सात घंटे तक जुटी रही. रात साढ़े नौ बजे नगर निगम अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया सबसे पहले पहुंचे और रिमूवल व फायर टीम ने काम शुरू किया था, इसके बाद कलेक्टर शिवम वर्मा, निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह भी रातभर मौके पर मौजूद रहे. सिसोनिया ने बताया कि तलघर में लंबे समय से पानी भरा था, जिससे पिलर कमजोर हो गए और इमारत धंस गई. वर्ष 1996-97 में जी-प्लस 1 का नक्शा पास हुआ था, लेकिन मालिकों ने ऊपर एक मंजिल और बना ली थी. भाइयों के विवाद के कारण तलघर का पानी खाली नहीं कराया जा रहा था. यह मकान पहले सड़क पर था, जिसे निगम ने हटाया था. बाद में मालिक मोहम्मद उमर ने केस जीता और दी गई नई जगह पर यह इमारत खड़ी की गई. सुबह करीब साढ़े सात बजे एफएसएल टीम मौके पर पहुंची. महिला अधिकारी ने जांच कर मलबे से सरिए जब्त किए और भवन की संरचना का निरीक्षण किया.

**मां से छिपाई गई संतानों की मौत**- हादसे में जान गंवाने वाले मुस्तकिम और अलीफा की माताएं गंभीर बीमार हैं. डॉक्टरों के मुताबिक, मुस्तकिम की मां सायदा दिल की मरीज हैं. इसी तरह अलीफा की मां भी अस्पताल में भर्ती हैं. दोनों परिवार अब तक मांओं से उनकी संतानों की मौत की खबर छिपाए हुए हैं. परिजन कहते हैं, उनकी तबीयत पहले से नाजुक है, ऐसे में यह सदमा झेल नहीं पाएंगी.

**घर खाली करने की तैयारी थी**-

परिजनों का कहना है कि नाले के पानी और सीलन से घर काफी कमजोर हो गया था. निगम को शिकायत भी की थी, लेकिन हमेशा यही जवाब मिला कि सरकारी काम है, समय लगेगा. इसी वजह से परिवार घर खाली कर कहीं और शिफ्ट होने की तैयारी में था. किराए का मकान भी देख लिया गया था, लेकिन उससे पहले ही मौत बनकर यह हादसा सामने आ गया.

**दावत में गए नौ लोग बच गए**-

इसी इमारत में रहने वाले मुस्तकिम के रिश्तेदारों का परिवार सोमवार रात खजराना में आयोजित एक दावत में गया हुआ था. यह संयोग रहा कि पूरा परिवार उस वक्त घर पर नहीं था, वरना जनहानि और बड़ी हो सकती थी. परिजन बताते हैं कि दावत से लौटते वक्त ही उन्हें घर गिरने की खबर मिली और वे सीधे मौके पर पहुंचे.

**पत्नी को बचाने में खुद दब गया**-

मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि फहीमुद्दीन अंसारी को लोगों ने पहले ही बाहर निकाल लिया था. लेकिन जब उन्हें पता चला कि पत्नी आफरीन का पैर मलबे में दबा हुआ है, तो वे दोबारा भीतर चले गए. तभी अचानक और मलबा गिरा और वहीं उनकी जान चली गई. पत्नी को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया है, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन की तैयारी शुरू कर दी है.

**संपत्ति विवाद और ढही इमारत**- मकान में तीन भाई अपने-अपने परिवार के साथ रहते थे. बताया जाता है कि पिछले कई सालों से संपत्ति को लेकर भाइयों में विवाद चल रहा था. विवादित संपत्ति का ढांचा हादसे की भेंट चढ़ गया. मकान करीब 20 साल पुराना था, जिसकी नींव पानी भरने और चूहों के कारण काफी कमजोर हो चुकी थी.

**पड़ोसियों का नुकसान भी हुआ**- गिरती इमारत का हिस्सा पास की दुकान और बगल में खड़ी नई बाइक पर आ गिरा, बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई. दुकान के भी हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और हजारों का सामान मलबे तले दब गया.

**प्रशासन ने रातभर संभाला मोर्चा**- तंग गलियों से पोकलेन मशीनें पहुंचाने में दिक्कतें आईं, कई बार संसाधन भी खराब हो गए, लेकिन प्रशासन ने तुरंत नए संसाधन बुलवाकर राहत कार्य तेज कराया. रातभर अधिकारी मौके पर डटे रहे और सुबह तक मलबा हटाने का काम चलता रहा. लोगों की सक्रिय मदद भी राहत अभियान की सबसे बड़ी ताकत साबित हुई. स्थानीय लोग अपने कारखानों से गैस कटर और औजार लेकर पहुंचे, जिससे दबे हुए लोगों को निकालने में आसानी हुई.

**जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं**-तीन मंजिला मकान गिरने से अलीफा रफीउद्दीन और मुस्कीन उर्फ बबलू की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हुए. हादसे के बाद अब तक न तो किसी की जिम्मेदारी तय हुई है और न ही कार्रवाई हुई. नियमों के मुताबिक हर साल बारिश के पहले नगर निगम जर्जर मकानों की सूची जारी करता है. संबंधित झोन अफसरों को नोटिस देकर कार्रवाई करना होती है. हादसे वाला क्षेत्र झोन-11 में आता है, जहां भवन अधिकारी गीतेश तिवारी पदस्थ हैं. करीब ढाई-तीन साल से वे इसी झोन में कार्यरत हैं, लेकिन मकान मालिक को नोटिस जारी नहीं किया गया. भूमि विकास अधिनियम 2012 के अनुसार नाले से 9 मीटर की दूरी पर ही भवन निर्माण की अनुमति दी जा सकती है, बावजूद इसके नाले के किनारे यह मकान खड़ा हुआ. सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है, हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज होना चाहिए, क्योंकि अधिकारियों की लापरवाही से सीधे दो लोगों की जान गई.

**अभियान चलाकर होगी कार्रवाई**- महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि रिव्हर साइड रोड और रानीपुरा क्षेत्र में अब अभियान चलाकर बेसमेंट वाले और जर्जर मकानों पर कार्रवाई होगी. वहीं नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव ने बताया कि यह मकान करीब 8-9 साल पुराना था, इसमें 20-22 लोग रहते थे. प्रारंभिक जांच में पिलर और बीम कमजोर होना ही इसके ढहने की वजह लग रही है.

### मां ने बच्चों को सुरक्षित निकाला

तीनों मंजिलों पर परिवार के लोग खाना बना रहे थे कि अचानक इमारत तिरछी होकर धराशायी हो गई. पहली मंजिल पर शमसुद्दीन, दूसरी पर मुस्तकीन और तीसरी पर रफीउद्दीन का परिवार रहता था. हादसे में आलिया की दो बच्चे चार साल का अहमद और तीन महीने की अलीरा भी फंसी थीं. आलिया ने गजब का जज्बा दिखाते हुए दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला. घायल बच्चों का इलाज बड़े अस्पताल में चल रहा है, जिनमें पांच को इमरजेंसी वार्ड में रखा है. रफीउद्दीन के पैर में चोट आई है, जबकि उनकी बेटी अलीफा सुरक्षित है.

# सिंहस्थ के निर्माण कार्यों का वरिष्ठ अधिकारी लगातार करें निरीक्षण : विजयवर्गीय

- गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूरे हों निर्माण कार्य
- मंत्रालय में विभागवार सिंहस्थ कार्यों की हुई समीक्षा

**इंदौर. नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को सिंहस्थ के निर्माण कार्यों का उज्जैन पहुँचकर निरीक्षण करने के निर्देश दिये हैं. मंत्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में बैठक को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में ही पूरा किया जाये.**

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की कमी नहीं होने दी जायेगी. उन्होंने आयोजन की बेहतर व्यवस्था के लिये विभिन्न विभागों के साथ लगातार बैठक करने के भी निर्देश दिये. बैठक में रेलवे द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई. मंत्री ने कहा कि मेला क्षेत्र में ट्रेन से पहुँचने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये रेलवे स्टेशन के पास ही पर्याप्त मात्रा में स्नान-गृह एवं सुलभ कॉम्पलेक्स की व्यवस्था हो.

**सड़कों के चौड़ीकरण की दी जाए प्राथमिकता**- नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि उज्जैन से जुड़े धार्मिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के चौड़ीकरण कार्य को प्राथमिकता दी जाये. उन्होंने आकस्मिक सेवा, जिनमें अग्निशमन, स्वास्थ्य, पेयजल आदि की भी जानकारी प्राप्त की. विजयवर्गीय ने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ मेला क्षेत्र की मेपिंग का कार्य भी किया जाये, जिससे आवागमन सुविधाजनक हो सकेगा. उन्होंने कान्ह नदी के डायवर्सन, सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी में जल की निरंतर प्रवाह योजना, घाट निर्माण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की. मंत्री श्री विजयवर्गीय ने उज्जैन संभाग के बस स्टैण्ड के उन्नयन की योजना के बारे में भी जानकारी प्राप्त की.

### कई कार्यों की जा चुकी मंजूरी

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि ऊर्जा विभाग के 329 करोड़ रुपये के कार्यों को मंजूरी दी जा चुकी है. इंदौर-उज्जैन मार्ग का 6 लेन में चौड़ीकरण का कार्य 1692 करोड़ रूपये और इंदौर-उज्जैन वैकल्पिक मार्ग 4 लेन लम्बाई 49 किलोमीटर के लिये 950 करोड़ रुपये की मंजूरी दी जा चुकी है. बैठक में संस्कृति, पर्यटन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की गयी.

### जरूरी प्रस्ताव रेलवे मंत्रालय भेजे जा रहे

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान रेलवे की बेहतर व्यवस्था के लिये आकलन कर जरूरी प्रस्ताव रेलवे मंत्रालय को भेजे जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को मंजूरी मिल गयी है, संबंधित एजेंसी को डीपीआर तैयार कर जल्द काम शुरू करने के लिये कहा गया है. निर्माण कार्य और व्यवस्था से जुड़े सभी काम दिसम्बर-2027 तक हर हाल में पूरे किये जायेंगे.

# शहीदों की शौर्यगाथा को मिले सम्मान, अहीर रेजीमेंट बनाने की माँग

## 1962 के रणबांकुरों को श्रद्धांजलि, रज कलश यात्रा आज पहुँचेगी उज्जैन

- यादव महासभा ने भरी हुंकार, सरकार सुने अहीरों की पुकार
- यादव महासभा अध्यक्ष नारायण यादव के नेतृत्व में होगा आयोजन

नवभारत न्यूज

**उज्जैन**. 1962 के भारत-चीन युद्ध में भारतीय सेना के अनेक जांबाज़ सैनिकों ने वीरगति प्राप्त की थी. इनमें यादव अहीर समाज के सैकड़ों वीर सपूत भी शामिल थे, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए. उनकी शहादत को याद करते हुए देशभर में अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग बुलंद की जा रही है. इसी कड़ी में यादव महासभा द्वारा निकाली गई रज कलश यात्रा सोमवार को उज्जैन पहुंचेगी.

यह यात्रा 12 अप्रैल 2024 को बिहार के छपरा से प्रारंभ हुई थी और देश के अनेक राज्यों से गुजरते हुए अब मध्य प्रदेश पहुंची है. मध्य प्रदेश के करीब 40 जिलों में भ्रमण करने के बाद यह यात्रा जनसमर्थन जुटाते हुए आगे बढ़ रही है. इस यात्रा का उद्देश्य न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है, बल्कि समाज और देश को यह संदेश देना भी है कि अहीर समाज के सैनिकों की कुर्बानी को सम्मान मिले और उनकी स्मृति में अलग अहीर रेजीमेंट का गठन किया जाए.

उज्जैन में होगा भव्य स्वागत-यात्रा का स्वागत आज सोमवार सुबह 11 बजे कृषि उपज मंडी परिसर में किया जाएगा। यहां समाज के हजारों लोग एकत्रित होंगे। कार्यक्रम की अगुवाई अखिल भारतीय यादव समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण यादव करेंगे. इस अवसर पर शहीद अहीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी और अतिथियों के उद्बोधन होंगे. पूर्व सैनिकों को भी किया आमंत्रित यादव महासभा के सभी संगठनों को आमंत्रित किया है, कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली है. जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए हैं और समाज के वरिष्ठजन एवं युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है. इस आयोजन में विशेष रूप से पूर्व सैनिकों को आमंत्रित किया गया है, ताकि वे अपनी सैन्य सेवाओं के अनुभव साझा कर सकें और युवाओं को प्रेरणा दे सकें.

यादव समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण यादव करेंगे. इस अवसर पर शहीद अहीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी और अतिथियों के उद्बोधन होंगे. पूर्व सैनिकों को भी किया आमंत्रित यादव महासभा के सभी संगठनों को आमंत्रित किया है, कार्यक्रम की तैयारी

### शौर्यगाथा को याद करेगी यात्रा

अहीर समाज की शौर्यगाथा भारतीय इतिहास में विशेष स्थान रखती है. 1962 के युद्ध में जब भारतीय सेना ने दुर्गम क्षेत्रों में मोर्चा संभाला था, उस समय अहीर सैनिकों की वीरता का डंका पूरे देश में बजा था. इसी बलिदान की याद में यह यात्रा 'रज कलश' लेकर चल रही है, जो शहीदों की मिट्टी का प्रतीक है. यह कलश यात्रा जहां-जहां पहुंचेगी, वहां श्रद्धांजलि और स्वागत समारोह आयोजित होंगे.

**दिल्ली में होगा समापन**-यह रज कलश यात्रा 18 नवंबर को राजधानी दिल्ली पहुंचेगी और जंतर मंतर पर इसका समापन होगा. वहां केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपकर अहीर रेजीमेंट बनाने की औपचारिक मांग की जाएगी. आयोजन समिति का कहना है कि यदि पंजाब, बिहार, असम और उत्तराखंड जैसी रेजीमेंट हो सकती हैं तो अहीर रेजीमेंट भी बनाई जानी चाहिए, क्योंकि इस समाज का योगदान भारतीय सेना और आजादी की लड़ाई में अविस्मरणीय रहा है.

**समाज में उत्साह और संकल्प**-उज्जैन में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर समाज में गहरी उत्सुकता है. रैली और सम्मान समारोह में हजारों लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है. यादव महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि यह आंदोलन केवल यादव या अहीर समाज के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है. यह उन शहीदों को उचित सम्मान देने की कोशिश है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दी.

# गंधवानी में पढ़ने वाली नाबालिग का अपहरण

### तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज

गंधवानी. धार जिले के गंधवानी क्षेत्र में रविवार की शाम को एक नाबालिका का जबरन अपहरण कर बोलेरो में बैठाकर पत्नी बनाने का बोलकर आरोपियो द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है. गंधवानी पुलिस ने उक्त मामले में तीन आरोपीयो के खिलाफ रविवार देर शाम मामला दर्ज किया.

गंधवानी पुलिस ने बताया कि बोलरो वाहन एमपी -41टीए- 0825 में आरोपी शिक्षक कालोनी गंधवानी से युवती को जबरजस्ती ले जा रहे थे.

इस दौरान ग्राम झेगदा में आरोपी बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रही थी. इस दौरान बकरियों के झुंड को रोंदता हुआ पलटी खा गया, जिसमें घटनास्थल से तीन बकरियां मारी गई. वहीं घटना के बाद उक्त बोलेरो वाहन का पीछा करते हुए ग्रामीण लोगों के साथ गंधवानी पुलिस टीम पहुंची. जहां वाहन में सवार एक नाबालिका को पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है. थाना प्रभारी ने बताया कि बोलेरो सवार तीन यूवको को पकड़ने की कोशिश की जो मौके का फायदा उठाकर खेतों से होते हुए. इस दौरान मौके पर भारी भीड़ लग गई थी. इस पूरे सनसनीखेज घटनाक्रम के विषय में गंधवानी पुलिस ने बताया कि गंधवानी पुलिस को जानकारी मिली थी. बताया कि ग्रामीण लोग भी पीछा कर रहे हैं. इसके बाद गंधवानी पुलिस तुरंत हरकत में आई और उक्त बोलेरो वाहन का पीछा किया. इस दौरान उक्त बोलेरो वाहन डेहरी की ओर जाते समय ग्राम झेगदा में अनियंत्रित होकर बकरियों के झुंड को रौंदते हुए पलटी खा गया, जिसमें कैलाश पिता निर्भय नामक व्यक्ति की तीन बकरियां घटनास्थल पर ही मारी गई. वहीं एक बालिका घटना में बाल बाल बची. इस दौरान बोलेरो में सवार तीन युवक मौके से फरार हो गए. वहीं उक्त बोलेरो वाहन गंधवानी थाने के ग्राम सादी का है. जो महिला के नाम से रजिस्टर्ड है. फिलहाल गंधवानी पुलिस पूरे मामले में जांच पड़ताल में जुटी है. आरोपियों को पकड़ने के सोमवार को टीम बनाई गई है. पुलिस ने धारा 87,115(2),351(3),3(5) बीएनएस में मामला दर्ज किया है.

**एक नजर में** मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति

# सवारी बसों की तरह खंडवा, ओंकारेश्वर, हनुमंतिया के लिए हेलीकॉप्टर चलाएगी सरकार!

**खण्डवा**. चलो! ओंकारेश्वर, हनुमंतिया, इंदौर, बुरहानपुर वाले इस गाड़ी में बैठो. टिकट लो, और हवाई सफर के लिए तैयार हो जाओ. खंडवा से इंदौर सिर्फ 35 मिनट में, हनुमंतिया और ओंकारेश्वर 15 मिनट में. बिना दचके का सफर, वह भी बहुत कम समय में. इसके लिए जेब जरूर थोड़ी ढीली करनी पड़ेगी.

प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों को सार्वजनिक हेलीकॉप्टर टिकट वाली सेवा से जल्द जोड़ा जाएगा. इसके लिए निजी हेलीकॉप्टर संचालकों को आमंत्रित भी किया गया है. निजी ऑपरेटर, बस सेवा की तरह इन्हें संचालित कर सकेंगे.

**यह खंडवा से सीएम का प्रेम है!**- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को भोपाल स्थित मंत्रालय भवन में हुई. मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है.

**तीर्थ और पर्यटन बड़े शहरों से सीधे जुड़ेंगे**- प्रदेश के जिन शहरों को हैलीकॉप्टर की सुविधा से जोड़ा गया है, उनमें खण्डवा

जिले के ओंकारेश्वर, हनुवंतिया व खण्डवा नगर को भी शामिल किया गया है. हैलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से प्रदेश के प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटक स्थलों के बीच निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध होगी. इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसर उत्पन्न होंगे.

**अंग्रेज व मुगल भी खंडवा के कायल**- खंडवा जिला हर मामले में महत्वपूर्ण माना जाता है. प्रदेश में इस जिले की ख्याति अंग्रेज ही नहीं मुगलों के जमाने से है. यातायात में मुगलों ने इंदौर इच्छापुर रोड बनाकर सीधे असीरगढ़ को दिल्ली की सल्तनत से जोड़ा था. मोहन यादव ने दूरदृष्टि से इस जिले को प्राथमिकता दी है, जो महत्वपूर्ण माने जा रही है.

**वेद- पुराणों में भी समृद्ध है ओंकारेश्वर**- खंडवा शहर बड़ा और पुराना माना जाता है. ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग स्थापित है. यहां कई आध्यात्मिक मान्यताएं वेद और पुराणों में उल्लेखित हैं. ओम का आविष्कार भी यहीं से हुआ था. इसी तरह हनुमंतिया पर्यटन स्थल पूर्व सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की कल्पना का केंद्र है. मां नर्मदा की वजह से इतनी बड़ा मीठे पानी का जल समुद्र विश्व में कहीं नहीं है। यहां एस्सेल वर्ल्ड जैसे वॉटर स्पोर्ट्स भी बनाए जा सकते हैं.

### सेक्टर 1 में खंडवा- इंदौर शामिल

कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि हैलीकॉप्टर का संचालन 3 सेक्टर्स में किया जाएगा. इनमें सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे.

### सेक्टर 3 में दूर के पर्यटन पर जा सकेंगे निमाड़ के लोग

सेक्टर-3 में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर के बीच हेलीकाप्टर सेवा का संचालन किया जाएगा.

# राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में आई खराबी

**टीकमगढ़.** अपने प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बल्देवगढ़ क्षेत्र के एक ग्रामीण क्षेत्र में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल हेलीकॉप्टर से पहुंचे, जहां उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की और बुंदेली व्यंजनों का निरीक्षण किया.

इस दौरान गर्भवती महिलाओं और कुपोषित बच्चों को पोषण बास्केट वितरित की गईं. लेकिन जब वे वापस भोपाल जाने के लिए हेलीकॉप्टर में सवार हुए तो वह उड़ान नहीं भर सका. इसके बाद राज्यपाल वापस आकर अपनी कार में बैठ गए. आधे घंटे के इंतजार के बाद तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद उनका हेलीकॉप्टर उड़ान भर सका. जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत करमाशन हटा में राज्यपाल का कार्यक्रम प्रस्तावित था. गांव से करीब दो किलोमीटर दूर हेलीपेड बनाया गया था.

राज्यपाल के हेलीकॉप्टर खराब होने के मामले में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा है कि हैलीकॉप्टर के एक इंजन में सिग्नल न आने के कारण उसका सुधार किया गया. तकरीबन आधे घंटे में इस खराबी को ठीक कराकर हैलीकॉप्टर ने उड़ान भरी
-कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय

**Nashik Municipal Corporation, Nashik**
**Public Health Engineering Department (Sewerage)**
**Rajiv Gandhi Bhavan, Sharanpur Road, Nashik- 422 002.**
**Ph. (0253) 2575631/32, 2579119 Fax: 2577936**
**E-Tender Notice No. 02 / 2025-26**

Nashik Municipal Corporation, invites bids vide e-Tender No-02/ (2025-26) for 02 works .The Detailed Tender Notice & Tender documents will be available on **www.mahatenders.gov.in**. from **Dt. 25/09/2025 to Dt. 15/10/2025.**

**Sd/xxx**
**Superintending Engineer**
**Public Health Engineering Department (Sewerage),**
**Nashik Municipal Corporation, Nashik**

जनसंपर्क/जा.क्र/२६४/२०२५
दि.२३/०९/२०२५

गोदा प्रदुषण टाळा, भविष्य संभाळा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**